भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 553

गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक के लिए उड़ान योजना

553. श्री बसवराज बोम्मई:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक में घरेलू यात्रा के लिए उड़ान योजना के अंतर्गत चयनित/प्रस्तावित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में उक्त योजना के लिए चालू और विकास के लिए प्रस्तावित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार को कर्नाटक सरकार से राज्य में और अधिक विमानपत्तनों/उड़ानों को जोड़ने की मांग प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने कर्नाटक में उक्त योजना के अंतर्गत मौजूदा और प्रस्तावित हवाई पट्टियों के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): कर्नाटक राज्य में उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के अंतर्गत उड़ानों के परिचालन हेतु विकास के लिए चिह्नित नौ अल्पसेवित और असेवित हवाईअड्डे हैं:

1. बीदर
2. मैसूर
3. विद्यानगर
4. हुबली
5. कलबुरगि
6. बेलगाम
7. शिवमोग्गा
8. विजयपुरा
9. करवारा

विजयपुरा और करवारा को छोड़कर उपर्युक्त सभी हवाईअड्डे पहले ही 'उड़ान' योजना के तहत कार्यशील हो चुके हैं।

(ग) और (घ): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) एक बाजार आधारित योजना है, जिसमें और अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को शामिल करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के दौर आयोजित किए जाते हैं और एयरलाइन प्रचालक

किसी विशेष मार्ग पर परिचालन की व्यवहार्यता का आकलन करते हैं तथा योजना के तहत बोली लगाते हैं। 'उड़ान' योजना के प्रावधानों के अनुसार, असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/स्तरोन्नयन, वैध बोली के माध्यम से उन्हें चिह्नित किए जाने और एसएओ (चयनित एयरलाइन प्रचालक) को अवार्ड करके किया जाता है।

बोली प्रक्रिया के लिए 'उड़ान' योजना दस्तावेज़ के तहत असेवित हवाईपट्टियों की अनंतिम सूची में सूचीबद्ध कर्नाटक राज्य की हवाईपट्टियाँ हैं:

1. बेल्लारी
2. कोलार
3. कुशलनगर
4. रायचूर
5. हसन

*****